

बेसिक शिक्षा के क्षेत्र में परिलब्धियाँ

1. **शिक्षा में शून्य निवेश नवाचार:-** श्री अरविन्दो सोसायटी द्वारा (ZIIIEI) कार्यक्रम संचालित कर शिक्षा में शून्य निवेश के आधार पर गुणात्मक सुधार के प्रयास किये जा रहे हैं। उक्त संस्था द्वारा जनपद स्तर पर दिनांक: 29.03.2019 को एक भव्य इनोवेटिव पाठशाला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 1000 शिक्षकों द्वारा प्रतिभाग किया गया है।
2. **जीवन की चुनौतियों के लिए वैज्ञानिक समाधान की शिक्षा :-** उक्त कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद कानपुर देहात के 150 बच्चों एवं 20 अध्यापकों ने 46वीं जवाहरलाल नेहरू राज्य विज्ञान गणित एवं पर्यावरण प्रदर्शनी 2018 में प्रतिभाग किया और जनपद को मण्डल एवं प्रदेश स्तर पर प्रथम स्थान अर्जित कर एक नई पहचान दिलाई गयी है।
3. **राष्ट्रीय आविष्कार अभियान कार्यक्रम :-** इस कार्यक्रम के अन्तर्गत बच्चों को बाहरी परिवेश में भ्रमण हेतु 150 बच्चों की एक्सपोजर विजिट करायी गयी है।
4. **बेसिक शिक्षा में खेल के प्रति रुझान हेतु स्पोर्ट्स अनुदान की व्यवस्था:-** स्पोर्ट्स अनुदान के अन्तर्गत जनपद के 1604 प्राथमिक विद्यालयों में खेल सामग्री कय करने हेतु 5000/- एवं 674 उ०प्रा०वि० हेतु 10000/- प्रति विद्यालय अनुदान प्रथमबार अनुमन्य किया गया है।
5. **विद्यालय स्तर पर पुस्तकालय की अवस्थापना:-** इस कार्यक्रम के अन्तर्गत 1604 प्रा०वि० हेतु रू०-5000/- एवं 674 उ०प्रा०वि० हेतु रू०-10000/- का बजट अनुमन्य किया गया है।
6. **पढ़े भारत-बढ़े भारत कार्यक्रम का संचालन:-** इस कार्यक्रम के अन्तर्गत कक्षा 1 एवं 2 के छात्र-छात्राओं में आरम्भिक पठन पाठन एवं गणितीय दक्षता विकसित करने हेतु चित्रों के माध्यम से शिक्षा प्रदान करने हेतु प्रोत्साहित किया गया इसके अन्तर्गत जनपद के 10 प्राथमिक विद्यालयों का चयन ट्वीनिंग कार्यक्रम के अन्तर्गत किया गया।
7. **कक्षा 1 से 5 में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति में वृद्धि के लिए ग्रेडेड लर्निंग कार्यक्रम का प्रारम्भ:-** परिषदीय विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि के लिए प्रथम एजुकेशन फाउण्डेशन के सहयोग से ग्रेडेड लर्निंग (शिक्षा कायाकल्प) कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है जिसमें टीचिंग लर्निंग मैटेरियल के माध्यम से शिक्षण कार्य कराये जाने की व्यवस्था की गयी है।
8. **अंग्रेजी माध्यम से विद्यालयों के संचालन की योजना:-** अभिभावकों के रुझान को दृष्टिगत रखते हुए नामांकन एवं शिक्षा व्यवस्था में अभिवृद्धि के उद्देश्य की पूर्ति हेतु प्रथम चरण में वर्ष 2018-19 में जनपद के 50 प्राथमिक विद्यालयों एवं द्वितीय चरण में वर्ष 2019-20 हेतु 50 परिषदीय प्राथमिक विद्यालय एवं 10 उच्च प्राथमिक विद्यालय चिन्हित किये गये हैं।
9. **समेकित शिक्षा के अन्तर्गत संचालित गतिविधियाँ:-** जनपद स्तर पर मूक बधिर एवं दृष्टिबाधित अति विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों को विशेष शिक्षकों द्वारा विशेष प्रशिक्षण एवं दैनिक क्रियाकलाप हेतु एक्सीलरेटेड लर्निंग आवासीय कैम्प अकबरपुर महाविद्यालय परिसर में संचालित किया जा रहा है, जिसमें 34 मूक बधिर बच्चे एवं 24 दृष्टिबाधित बच्चे नामांकित हैं। इन बच्चों के रहने, खाने-पीने, शैक्षणिक सामग्री, ड्रेस मैटेरियल एवं दिव्यांग उपकरण आदि की व्यवस्था हेतु सरकार द्वारा संसाधन उपलब्ध कराये जा रहे हैं।
10. **खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन:-** राज्य सरकार द्वारा बच्चों के मानसिक सर्वांगीण विकास के साथ-साथ शारीरिक सुदृढ़ता एवं स्वस्थता को दृष्टिगत रखते हुए खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन हेतु अनुदान की व्यवस्था की गयी है। जिसके अन्तर्गत विकासखण्ड स्तर, जनपद स्तर, मण्डल स्तर एवं प्रदेश स्तर पर खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है तथा प्रतिभागी बच्चों को प्रोत्साहन हेतु पुरस्कार की भी व्यवस्था की जाती है।
11. **विद्यालयों में मूलभूत अवस्थापना सुविधाओं का विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद कानपुर देहात में 15 विद्यालयों में चहारदीवारी एवं गेट का निर्माण कराया जा रहा है, 11 प्राथमिक विद्यालयों में शौचालय का निर्माण कराया गया है तथा जनपद के 109 उच्च प्राथमिक विद्यालयों में इन्सीनरेटर का निर्माण कराया जा रहा है, इसके अतिरिक्त पंचायती राज विभाग के सहयोग से भी 32 विद्यालयों में चहारदीवारी, 218 विद्यालयों में शौचालय निर्माण, 42 विद्यालयों में हैण्डपम्प अधिष्ठापना, 43 विद्यालयों में इन्टरलॉकिंग तथा 14 विद्यालयों में हैण्डवॉश फैंसिल्टीज उपलब्ध कराई गयी है तथा इसके अतिरिक्त सरकार द्वारा 664 प्राथमिक विद्यालयों एवं 346 उच्च प्राथमिक विद्यालयों में विद्युतीकरण हेतु धनराशि आवंटित की गयी है।**
12. **मध्यान्ह भोजन योजना:-** इस योजना के अन्तर्गत जनपद कानपुर देहात में कुल 1,59,489 बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं और वर्तमान में कुल 4860 रसोइये कार्यरत हैं जिनको पारिश्रमिक के रूप में प्रत्येक वर्ष 10 माह का नियमित मानदेय भुगतान किया जा रहा है।
13. **निःशुल्क पाठ्य-पुस्तक, जूता-मोजा, बैग, यूनीफार्म एवं स्वेटर का वितरण:-** प्रत्येक शैक्षिक सत्र में अध्ययनरत बच्चों को निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें, जूता-मोजा, बैग, यूनीफार्म एवं स्वेटर का वितरण किया जा रहा है जिसके कारण परिषदीय विद्यालयों में बच्चों के नामांकन की स्थिति में अपेक्षित सुधार परिलक्षित हुआ है। जनपद में इस हेतु शैक्षिक सत्र 2019-20 में 1,43,985 बच्चें लाभान्वित हो रहे हैं।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
कानपुर देहात।

बेसिक शिक्षा के क्षेत्र में परिलब्धियाँ

1. शिक्षा में शून्य निवेश नवाचार:-

(ZIIIEI) शिक्षा में शून्य निवेश नवाचार के द्वारा खेल खेल में शिक्षा, सामुदायिक सहभागिता, अभिनव शिक्षण तकनीकी, सरल अंग्रेजी अधिगम, चित्रकथा के माध्यम से शिक्षा आदि शून्य निवेश से शिक्षा को रूचिकर बनाने के लिए एक नवाचार मंच का गठन किया गया है, जिसके अन्तर्गत जनपदों में (ZIIIEI) कार्यक्रम संचालित कर अध्यापकों को शून्य निवेश के माध्यम से बच्चों की प्राथमिक शिक्षा को किस प्रकार रूचिकर बनाया जा सकता है के सम्बन्ध में नये नये इनोवेशन से अवगत कराते हैं तथा अध्यापकों से भी इस कार्यक्रम के अन्तर्गत अपने सुझाव या नये इनोवेशन से शिक्षा में शून्य निवेश के माध्यम से किस प्रकार सुधार किया जा सकता है, के सम्बन्ध विस्तृत परिचर्चा एवं संवाद एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया जाता है। इस हेतु राज्य सरकार द्वारा संस्था को जनपदों में कार्यक्रम संचालित करने हेतु अनुमति प्रदान कर शिक्षा व्यवस्था में गुणात्मक सुधार प्राप्त करने हेतु परम्परावादी नीतियों से इतर नई व्यवस्था अपनाकर सराहनीय कार्य किया गया है। उक्त संस्था द्वारा जनपद कानपुर देहात में प्रथम चरण में समस्त दसों विकासखण्डों के एक-एक विद्यालय को चिन्हित कर उनको प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा द्वितीय चरण में जनपद के अति पिछड़े विकासखण्ड सन्दलपुर के 116 प्राथमिक विद्यालयों के अध्यापकों का 02दिवसीय शून्य निवेश नवाचार प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा तृतीय चरण में जनपद स्तर पर एक भव्य इनोवेटिव पाठशाला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें जनपद के इच्छुक अध्यापकों द्वारा शून्य निवेश से शिक्षा सुधार में किस प्रकार नवीन इनोवेशन प्रोजेक्ट प्रस्तुत किये गये। उक्त प्रदर्शनी से शिक्षकों में शिक्षा में सुधार के लिए बिना अतिरिक्त आर्थिक संसाधनों के भी किस प्रकार बच्चों को शिक्षा प्रदान की जा सकती है या शिक्षा को रूचिकर बनाया जा सकता है अथवा किस प्रकार ग्रामीण परिवेश एवं संसाधनों को ध्यान में रखकर बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने एवं रूचिकर शिक्षा प्रदान करने की नई तकनीकी जैसे खेल खेल में शिक्षा, सामुदायिक सहभागिता, अभिनव शिक्षण तकनीकी, सरल अंग्रेजी अधिगम, चित्रकथा के माध्यम से शिक्षा आदि शून्य निवेश से शिक्षा को रूचिकर बनाने के लिए उत्प्रेरित किया गया।

2. जीवन की चुनौतियों के लिए वैज्ञानिक समाधान की शिक्षा :-

राज्य सरकार द्वारा केन्द्र सरकार के निर्देशन में अध्ययनरत बच्चों को उनके जीवन में आने वाली चुनौतियों को वैज्ञानिक नीतियों एवं दृष्टिकोण अपनाकर किस प्रकार उनका समाधान किया जा सकता है, की शिक्षा प्रदान करने हेतु जनपद, मण्डल एवं राज्य स्तर पर बाल विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन कराया गया। जिसमें जनपद कानपुर देहात के 150 बच्चों एवं 20 अध्यापकों ने 46वीं जवाहरलाल नेहरू राज्य विज्ञान गणित एवं पर्यावरण प्रदर्शनी 2018 में प्रतिभाग किया और जनपद को मण्डल एवं प्रदेश स्तर पर प्रथम स्थान अर्जित कर एक नई पहचान दिलाई गयी है। उक्त कार्यक्रम से अध्यापकों एवं बच्चों में कृषि एवं जैविकी, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता अपशिष्ट प्रबन्धन, गणितीय प्रतिरूपण एवं वैज्ञानिक पद्धति के प्रति रुझान उत्पन्न हुआ है एवं पुरस्कृत होने से इस कार्यक्रम के प्रति उत्साह भी जाग्रत हुआ है।

3- राष्ट्रीय आविष्कार अभियान कार्यक्रम :-

सरकार द्वारा उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं में विवेकपूर्ण तार्किकता और परीक्षण के अवसर उपलब्ध कराने के साथ साथ जिज्ञासा आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने तथा विज्ञान गणित एवं प्रौद्योगिकी के प्रति बच्चों में रुझान जाग्रत करने और उसको लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से मानव संसाधन विकास मन्त्रालय भारत सरकार के सहयोग से राष्ट्रीय आविष्कार अभियान कार्यक्रम संचालित किया गया है, जिसमें विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन एवं आयोजन में प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कृत करने की व्यवस्था की गयी है तथा इसके अन्तर्गत बच्चों को बाहरी परिवेश में भ्रमण हेतु एक्सपोजर विजिट का कार्यक्रम भी दिया गया है। एक्सपोजर विजिट के अन्तर्गत जनपद कानपुर देहात के 150 बच्चों को विजिट कराया गया।

4. बेसिक शिक्षा में खेल के प्रति रुझान हेतु स्पोर्ट्स अनुदान की व्यवस्था:-

भारत सरकार के सहयोग से राज्य सरकार द्वारा बेसिक शिक्षा में पारम्परिक खेलों एवं व्यायाम को समाहित कर बच्चों की शारीरिक सुदृढ़ता एवं खेलों के प्रति रुझान उत्पन्न करने हेतु पहली बार विद्यालयों में स्पोर्ट्स अनुदान के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालयों में खेल सामग्री क्रय करने हेतु ₹0-5000/- एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में ₹0-10000/- अनुमन्य किया गया है, जिससे संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित हो जाने से विद्यालयों में नियुक्त व्यायाम शिक्षको एवं खेल अनुदेशकों के माध्यम से अध्ययनरत बच्चों को खेलकूद विषयक जानकारी एवं खेलकूद की क्रियाशीलता एवं प्रयोग को शत-प्रतिशत अर्जित किया जा सके।

5. विद्यालय स्तर पर पुस्तकालय की अवस्थापना:-

भारत सरकार के सहयोग से राज्य सरकार द्वारा बेसिक शिक्षा में विषयिक ज्ञान के अतिरिक्त अध्ययनरत बच्चों को वाचन क्षमता, निबन्ध लेखन, वाद-विवाद प्रतियोगिता, सामान्य ज्ञान एवं सामायिक विषयों पर जानकारी विकसित करने तथा सामान्य विषयों की जानकारी के अतिरिक्त शिक्षा व्यवस्था को और रुचिकर बनाने एवं ज्ञानार्जन के उद्देश्य से प्रत्येक विद्यालय में पुस्तकालय स्थापित करने एवं रीडिंग कर्नर/रीडिंग स्पेस निर्मित करने हेतु अनुदान उपलब्ध कराया गया है जिसके अन्तर्गत प्राथमिक स्तर हेतु ₹0-5000/- एवं उच्च प्राथमिक स्तर हेतु ₹0-10000/- का बजट अनुमन्य किया गया है।

6. पढ़े भारत- बढ़े भारत कार्यक्रम का संचालन:-

भारत सरकार के सहयोग से राज्य सरकार द्वारा बेसिक शिक्षा में कार्यक्रम के अन्तर्गत कक्षा 1 एवं 2 के छात्र-छात्राओं में आरम्भिक पठन पाठन एवं गणितीय दक्षता विकसित करने हेतु प्रिन्ट समृद्ध वातावरण एवं लाइब्रेरी प्रबन्धन हेतु कार्यशाला शिक्षको की आयोजित कराई गयी। जिसके अन्तर्गत कक्षा 1 एवं 2 के छात्र-छात्राओं में चित्रों के माध्यम से शिक्षा प्रदान करने हेतु प्रोत्साहित किया गया इसके अन्तर्गत जनपद के 10 प्राथमिक विद्यालयों का चयन ट्वीनिंग कार्यक्रम के अन्तर्गत किया गया। जिसमें इन विद्यालयों के अध्ययनरत बच्चों को ग्रामीण परिवेश से शहरी विद्यालयों में संवाद तथा अनुभवों को साझा करने हेतु बच्चों को भेजा जायेगा। सरकार की इस नई नीति से बच्चों में शिक्षा के प्रति क्रियात्मक सुधार की स्थिति उत्पन्न होगी।

7. कक्षा 1 से 5 में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति में वृद्धि के लिए ग्रेडेड लर्निंग कार्यक्रम का प्रारम्भ:-

परिषदीय विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि के लिए प्रथम एजुकेशन फाउण्डेशन के सहयोग से ग्रेडेड लर्निंग (शिक्षा कायाकल्प) कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है इस कार्यक्रम के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को दो लक्ष्य समूहों में -कक्षा 1 व 2 तथा कक्षा 3, 4 व 5 को संगठित कर शिक्षण कार्य प्रदान किये जाने हेतु प्रत्येक परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों से दो अध्यापकों का चयन कर उनका प्रथम एजुकेशन फाउण्डेशन के सहयोग से शिक्षण अधिगम सामग्री प्राप्त कराते हुए प्रशिक्षण सम्पन्न कराया गया है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत कक्षा 1 व 2 तथा कक्षा 3 से 5 में पढ़ने वाले विद्यार्थियों का बेस लाइन सर्वे कर बच्चों के शैक्षिक स्तर का मूल्यांकन किया गया तथा उसके अनुरूप गुप बनाकर प्रत्येक विद्यालय को उपलब्ध कराई गई टीचिंग लर्निंग मैटेरियल के माध्यम से शिक्षण कार्य कराये जाने की व्यवस्था की गयी है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न चरणों का सर्वे कराकर शिक्षा की गुणवत्ता में हुई अभिवृद्धि का मापन किया जायेगा जिससे उक्त कार्यक्रम के प्रभाव से शिक्षा के क्षेत्र में हुए गुणात्मक सुधार की स्थिति का मूल्यांकन किया जा सके।

8. अंग्रेजी माध्यम से विद्यालयों के संचालन की योजना:-

राज्य सरकार की महत्वपूर्ण नीतियों के अन्तर्गत बेसिक शिक्षा में सुधार हेतु प्राइवेट संस्थाओं द्वारा संचालित किये जा रहे अन्य बोर्डों के विद्यालयों के प्रति अभिभावकों के रुझान को दृष्टिगत रखते हुए नामांकन एवं शिक्षा व्यवस्था में अभिवृद्धि के उद्देश्य की पूर्ति हेतु प्रथम चरण में वर्ष 2018-19 में 5000 परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों को अंग्रेजी माध्यम में संचालित करने का निर्णय लिया गया जिसके अन्तर्गत जनपद कानपुर देहात में 50 परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों को अंग्रेजी माध्यम में संचालन हेतु चिन्हित किया गया है तथा द्वितीय चरण में प्रदेश स्तर पर 5000 प्राथमिक एवं 1000 उच्च प्राथमिक विद्यालयों के संचालन के लक्ष्य के सापेक्ष जनपद स्तर पर वर्ष 2019-20 हेतु 50 परिषदीय प्राथमिक विद्यालय एवं 10 उच्च प्राथमिक विद्यालय चिन्हित किये गये हैं। ग्रामीण अंचलों में सरकार द्वारा अवस्थापित/संचालित परिषदीय विद्यालयों में अभिभावकों के रुझान एवं बच्चों की उत्पन्न हो रही अभिरुचि के अनुसार अंग्रेजी माध्यम से विषयों के पठन-पाठन की व्यवस्था से सरकारी विद्यालयों में नामांकन की आशातीत वृद्धि हुई है तथा बच्चों के विद्यालय में ठहराव पर सकारात्मक प्रभाव देखने को मिला है। साथ ही नवीन नियुक्ति के अन्तर्गत नियुक्त उच्च शिक्षा प्राप्त अध्यापकों को भी उनको अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का एक सुनहरा अवसर भी प्राप्त हुआ है।

9. समेकित शिक्षा के अन्तर्गत संचालित गतिविधियाँ:-

जनपद स्तर पर मूक बधिर एवं दृष्टिबाधित अति विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों को विशेष शिक्षकों द्वारा विशेष प्रशिक्षण एवं दैनिक क्रियाकलाप हेतु एक्सीलरेटेड लर्निंग आवासीय कैम्प अकबरपुर महाविद्यालय परिसर में संचालित किया जा रहा है, जिसमें 34 मूक बधिर बच्चे एवं 24 दृष्टिबाधित बच्चे नामांकित हैं। इन बच्चों के रहने, खाने-पीने, शैक्षणिक सामग्री, ड्रेस मैटेरियल आदि की व्यवस्था हेतु सरकार द्वारा संसाधन उपलब्ध कराये जा रहे हैं।

इन कैम्पों में नामांकित बच्चों के परिवेश परिवर्तित करने हेतु एक्सपोजर विजिट की भी व्यवस्था की गयी है, जिसके अन्तर्गत एक्सीलरेटेड लर्निंग कैम्प के नामांकित 60 बच्चों का एक्सपोजर विजिट के अन्तर्गत दिनांक 26.02.2019 को आगरा भ्रमण कराया गया।

जनपद में तहसील स्तर पर दिव्यांग बच्चों हेतु मेडिकल असिस्मेंट कैम्प का आयोजन कराया जाता है जिसके अन्तर्गत दिव्यांग बोर्ड की टीम द्वारा दिव्यांग बच्चों का असिस्मेंट किया जाता है, उसके उपरान्त बच्चों को दिव्यांगता प्रमाणपत्र उपलब्ध कराये जाते हैं। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत उक्त कैम्प में उपस्थित 411 बच्चों में से 178 बच्चों को दिव्यांगता प्रमाणपत्र उपलब्ध कराया गया है तथा 37 बच्चों को बुद्धिलब्धि परीक्षण हेतु हैलट रिफर किया गया है।

समेकित शिक्षा के अन्तर्गत जनपद स्तर पर प्रतिवर्ष मेजरमेंट एवं डिस्ट्रीब्यूशन कैम्प का आयोजन किया जाता है जिसमें दिव्यांग बच्चों को एलिम्को संस्था द्वारा उपलब्ध कराये गये उपकरणों (ट्राइ साइकिल, व्हील चेयर, ब्रेल किट, वाकिंग स्टिक, डेजी प्लेयर, कैलीपर आदि) का वितरण किया जाता है। इन कैम्पों में बच्चों को सहायक सामग्री के माध्यम से शिक्षा प्रदान कर शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़कर विद्यालयों में नामांकन कराया जाता है जहाँ पर विशेष शिक्षकों के माध्यम से सप्ताह में दो बार भ्रमण सुनिश्चित कर अतिरिक्त सपोर्ट की व्यवस्था एवं अभिभावकों को परामर्श दिया जाता है।

दिव्यांग बच्चों के प्रति सरकार की मानवीय नीतियों के अन्तर्गत स्कार्ट एलाउन्स की व्यवस्था की गयी है, जिसमें अभिभावकों को अपने दिव्यांग बच्चों को विद्यालय तक ले जाने में भौतिक सुविधाएं उपलब्ध कराये जाने के दृष्टिगत आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है इस योजना के अन्तर्गत जनपद कानपुर देहात के सभी विकासखण्डों से निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष 15 बच्चों को चिन्हित किया गया है और उनको प्रति माह 500 रु० की दर से 10 माह का स्कार्ट एलाउन्स अभिभावकों के खातों में स्थानान्तरित किया गया है जिससे अभिभावकों को अपने दिव्यांग बच्चों को विद्यालय तक लाने व ले जाने में सुविधा प्राप्त हो सके।

10. खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन:-

राज्य सरकार द्वारा बच्चों के मानसिक सर्वांगीण विकास के साथ-साथ शारीरिक सुदृढ़ता एवं स्वस्थता को दृष्टिगत रखते हुए खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन हेतु अनुदान की व्यवस्था की गयी है। जिसके अन्तर्गत विकासखण्ड स्तर, जनपद स्तर, मण्डल स्तर एवं प्रदेश स्तर पर खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है तथा प्रतिभागी बच्चों को प्रोत्साहन हेतु पुरस्कार की भी व्यवस्था की जाती है।

11. विद्यालयों में मूलभूत अवस्थापना सुविधाओं का विकास

निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 एवं राज्य सरकार द्वारा पारित निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार नियमावली 2011 में विहित प्राविधानों के दृष्टिगत राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक विद्यालयों में मूलभूत आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु बालक-बालिकाओं हेतु शौचालय निर्माण, पेयजल हेतु हैण्डपम्प अधिष्ठापना, समुचित प्रकाश हेतु विद्युतीकरण की

निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया जिसके अन्तर्गत जनपद कानपुर देहात में 15 विद्यालयों में चहारदीवारी एवं गेट का निर्माण कार्यदायी संस्था से कराया जाना है, 11 प्राथमिक विद्यालयों में शौचालय का निर्माण कराया गया है तथा जनपद के 109 उच्च प्राथमिक विद्यालयों में इन्सीनरेटर का निर्माण कराया जा रहा है, इसके अतिरिक्त पंचायती राज विभाग के सहयोग से भी 32 विद्यालयों में चहारदीवारी, 218 विद्यालयों में शौचालय निर्माण, 42 विद्यालयों में हैण्डपम्प अधिष्ठापना, 43 विद्यालयों में इण्टरलॉकिंग तथा 14 विद्यालयों में हैण्डवॉश फ़ैसिल्टीज उपलब्ध कराई गयी है तथा इसके अतिरिक्त सरकार द्वारा 664 प्राथमिक विद्यालयों एवं 346 उच्च प्राथमिक विद्यालयों में विद्युतीकरण हेतु धनराशि आवंटित की गयी है।

12. मध्याह्न भोजन योजना:-

बेसिक शिक्षा के अन्तर्गत संचालित सबसे महत्वपूर्ण योजनाओं में मध्याह्न भोजन योजना सम्मिलित है, जो कि अत्यन्त वृहद योजना है इसके अन्तर्गत सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों को निर्धारित पोषक तत्वों का गर्म पका पकाया भोजन उपलब्ध कराये जाने की व्यवस्था की गयी है इस योजना के अन्तर्गत जनपद कानपुर देहात में कुल 1,59,489 बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं, इस योजना के क्रियान्वयन का महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इसमें विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों के साथ साथ निम्न आय वर्ग के आवश्यकता की श्रेणी में आने वाले अभिभावकों को रोजगार प्रदान करते हुए रसोइयों के अन्तर्गत कार्य करने का अवसर भी प्राप्त कराया जा रहा है जनपद कानपुर देहात में वर्तमान में कुल 4860 रसोइये कार्यरत हैं जिनको पारिश्रमिक के रूप में प्रत्येक वर्ष 10 माह का नियमित मानदेय भुगतान किया जा रहा है।

13. निःशुल्क पाठ्य-पुस्तक, जूता-मोजा, बैग, यूनीफार्म एवं स्वेटर का वितरण:-

राज्य सरकार द्वारा परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों की आर्थिक स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए भौतिक संसाधनों, शिक्षण सामग्री एवं शिक्षण सहायक सामग्री की निःशुल्क उपलब्धता सुनिश्चित की गयी है, जिसके अन्तर्गत प्रत्येक शैक्षिक सत्र में अध्ययनरत बच्चों को निःशुल्क पाठ्य पुस्तके, जूता-मोजा, बैग, यूनीफार्म एवं स्वेटर का वितरण किया जा रहा है जिसके कारण परिषदीय विद्यालयों में बच्चों के नामांकन की स्थिति में अपेक्षित सुधार परिलक्षित हुआ है। जनपद में इस हेतु शैक्षिक सत्र 2019-20 में 1,43,985 बच्चें लाभान्वित हो रहे हैं।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
कानपुर देहात।